

नईदुनिया



फीफा विश्व कप 2026 : कनाडा ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर पहली बार अंतिम-16 में बनाई जगह

स्टापेज टाइम में कप्तान स्टीफन यूस्टाकियो ने गोल कर टीम को दिलाई जीत

इंगलवुड

सह-मेजबान कनाडा ने फीफा विश्व कप 2026 के प्री-क्वार्टर फाइनल में रविवार को दक्षिण अफ्रीका को 1-0 से हराकर इतिहास रच दिया। कप्तान स्टीफन यूस्टाकियो ने दूसरे हाफ के स्ट्राइक टाइम में शानदार लंबी दूरी का गोल दागकर अपनी टीम को पहली बार विश्व कप के

अंतिम-16 में पहुंचाया। मुकाबला पूरे समय बेहद कड़ा और रोमांचक रहा।

दोनों टीमों को कई मौके मिले, लेकिन कोई भी गोल नहीं कर सकी। मैच अतिरिक्त समय की ओर बढ़ता दिख रहा था, तभी स्ट्राइक टाइम में यूस्टाकियो ने पेनल्टी क्षेत्र के बाहर से जोरदार शॉट लगाकर गेंद को गोलकीपर रानवेन विलियम्स के हाथों से दूर नेट में पहुंचा दिया। गोल खाने के बाद दक्षिण अफ्रीका ने बराबरी के लिए अंतिम मिनटों में पूरी ताकत लगा दी, लेकिन कनाडा की रक्षा पंक्ति ने सभी प्रयास विफल कर दिए और टीम ने 1-0 की ऐतिहासिक जीत दर्ज की।

कनाडा के मुख्य कोच जेसी मार्श ने मैच के बाद खिलाड़ियों की सराहना करते हुए कहा कि टीम ने पिछले दो वर्षों की मेहनत और तय रणनीति पर भरोसा रखा, जिसका परिणाम उन्हें इस ऐतिहासिक सफलता के रूप में मिला। पहले हाफ में दोनों टीमों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला। कनाडा को हाफ टाइम से ठीक पहले बढ़त लेने का शानदार मौका मिला, लेकिन मोइज़ बाग्बो को हाफ टाइम से साफ कर दिया गया, जबकि ताजोन बुकेनन का प्रयास गोलकीपर विलियम्स ने रोक लिया। इसके बाद रिची लारिया के पेनल्टी की अपील को वीएआर समीक्षा के बाद भी खारिज कर

दिया गया। दूसरे हाफ में कनाडा लगातार आक्रामक रहा। टानी ओलुवासेयी और जोनाथन डेविड भी गोल करने के करीब पहुंचे, लेकिन दक्षिण अफ्रीका के रक्षकों ने शानदार बचाव किया। आखिरकार स्ट्राइक टाइम में यूस्टाकियो के विजयी गोल ने मुकाबले का फैसला कर दिया। अब कनाडा क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए 4 जुलाई को ब्राज़ील में नीदरलैंड्स या मोरक्को में से किसी एक टीम से भिड़ेगा।

संक्षिप्त स्कोर:

कनाडा 1 (स्टीफन यूस्टाकियो) ने दक्षिण अफ्रीका 0 को हराया।

न्यूज़ ब्रीफ

आइसलैंड क्रिकेट ने गंभीर पर कसा तंज, उन्हें कोच बनाने का इरादा नहीं

मुम्बई। आइसलैंड क्रिकेट ने आयरलैंड जैसी कमजोर टीम के खिलाफ हार के बाद भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर पर निशाना साधा है। आइसलैंड क्रिकेट ने सोशल मीडिया पर कहा कि गंभीर को कोच बनाने का उनका कोई इरादा नहीं है।

आइसलैंड क्रिकेट की ये पोस्ट सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही है। उन्होंने आगे लिखा कि बेहतरीन खिलाड़ियों से सजी भारतीय टीम को आयरलैंड के खिलाफ सीरीज हराने जैसा के लिए खास प्रतिभा की आवश्यकता होती है। साथ ही लिखा, हम पुष्टि कर सकते हैं कि हम गंभीर को अपनी कोचिंग स्टाफ में शामिल करना नहीं चाहते हालांकि, वह बेहद प्रतिभाशाली हैं। उन भारतीय खिलाड़ियों के साथ आयरलैंड में ऐसे परिणाम देना वाकई असाधारण है। यह हार भारतीय टीम के लिए इसलिए भी निराशाजनक है क्योंकि उसने अभी तीन माह पहले ही टी20 विश्व कप खिताब जीत था। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारतीय टीम दो मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज खेलेने आयरलैंड पहुंची थी पर हेरानी की बात ये रही कि टीम को दोनों मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा था। पहला मैच बेलफास्ट में हुआ, जिसमें भारत को 34 रनों से हार मिली। इसके बाद, रविवार को बारिश से प्रभावित दूसरे टी20 में आयरलैंड ने 1 रन से रोमांचक जीत दर्ज की। दोनों ही मैचों में भारतीय गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया पर बल्लेबाज पूरी तरह विफल रहे। कप्तान श्रेयस के अलावा संजु सैमसन और अभिषेक शर्मा भी इस सीरीज में अस्फल रहे।

विदाई टेस्ट की अंतिम पारी में सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरे स्टोक्स

क्राइस्टचर्च। इंग्लैंड ने टेस्ट क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स न्यूजीलैंड के खिलाफ यहां खेले जा रहे अपने करियर के अंतिम विदायी मैच में सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरे। इस मैच में इंग्लैंड ने चौथे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी दूसरी पारी में 15 ओवरों में

4 विकेट खोकर 103 रन बना लिए हैं। अब मैच के पांचवें और आखिरी दिन इंग्लैंड को जीत दर्ज करने के लिए 270 रनों की जरूरत है। वहीं कीवी को जीम के लिए 6 विकेट लेने हैं। चौथे दिन का खेल समाप्त होने के समय अनुभवी जो रूट 9 रन और एमिलियो गे 6 रन बनाकर खेल रहे थे। वहीं इंग्लैंड के कप्तान स्टोक्स इस मैच के बाद खेल को अलविदा कह देंगे। स्टोक्स ने अपने अंतिम टेस्ट की पारी में यादगार प्रदर्शन किया। स्टोक्स ने पारी शुरू करते हुए केवल 20 गेंदों पर 150 के तूफानी स्ट्राइक रेट से 30 रन बनाये। अपनी इस आतिशी पारी में इस बल्लेबाज ने 2 शानदार चौके और 2 छक्के लगाये। भले ही स्टोक्स बड़ी पारी नहीं खेल पाए पर ओपनर के तौर पर उतरने के उनके इस साहसिक फैसले और निडर बल्लेबाजी ने मैदान पर मौजूद हर दर्शक को उत्साहित कर दिया। वहीं स्टोक्स के साथ पारी की शुरुआत करने आए बेन डेकेट ने भी अच्छी लय दिखाई और 42 गेंदों में 6 चौकों की मदद से 36 रनों की तेज पारी खेली। इन दोनों ने टीम को 103 रनों के लक्ष्य का पीछे करते हुए अच्छी शुरुआत दी पर इसके बाद न्यूजीलैंड के युवा गेंदबाज जेम्स फाल्क्स ने अपनी सटीक गेंदबाजी से इंग्लैंड के मध्यक्रम को ध्वस्त कर रख दिया। न्यूजीलैंड की गेंदबाजी की बात करें तो जेम्स फाल्क्स सबसे सफल गेंदबाज रहे, जिन्होंने अपने 5.5 ओवरों में 42 रन देकर 3 विकेट झटके।

एटलेटिको मैड्रिड छोड़कर बार्सिलोना जाना चाहते हैं अल्वारेज

न्यूयॉर्क। अर्जेंटीना के स्टार स्ट्राइकर जुलियन अल्वारेज अब एटलेटिको मैड्रिड छोड़कर शीर्ष स्पेनिश क्लब बार्सिलोना जाना चाहते हैं। अर्जेंटीना की फीफा विश्व कप में आस्ट्रेिया पर जीत के बाद अल्वारेज ने भी माना है कि वह अब एटलेटिको मैड्रिड से आगे बढ़ना चाहते हैं वह दूसरी ओर एटलेटिको मैड्रिड इसके लिए तैयार नजर नहीं आता। अल्वारेज के अनुसार भविष्य के लिए ट्रांसफर सबसे बेहतर विकल्प है। उन्होंने यह भी कहा कि वह इस मामले में वलब के अधिकारियों के साथ बात कर रहे हैं। उन्होंने किसी वलब का नाम नहीं लिया, लेकिन मौजूद जानकारी के अनुसार स्पेनिश दिग्गज बार्सिलोना में खेलने की उनकी इच्छा किसी से छिपी नहीं है। पिछले कुछ सप्ताह से बार्सिलोना, पेरिस सेंट जर्मेन और आर्सेनल जैसे बड़े क्लबों का नाम जुलियन अल्वारेज के साथ जोड़ा जा रहा था। वहीं, स्पेन की मीडिया में लगातार यह दावा किया जा रहा है कि खिलाड़ी और बार्सिलोना के बीच व्यक्तिगत शर्तों पर सहमति भी बन चुकी है। रिपोर्टों के अनुसार, दोनों पक्षों के बीच पांच साल के अनुबंध को लेकर बातचीत सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ी है। हालांकि, एटलेटिको मैड्रिड ने इस मामले में अभी कुछ नहीं कहा है। वलब ने आधिकारिक बयान जारी करते हुए साफ कहा है कि जुलियन अल्वारेज बिस्की के लिए उपलब्ध नहीं हैं।

ईशान में एक अच्छे टेस्ट बल्लेबाज बनने की भी सभी योग्यताएं : श्रीकांत

चेन्नई

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व भारतीय कप्तान कृष्णमाचारी श्रीकांत ने कहा है कि आक्रामक सलामी बल्लेबाज ईशान किशन एक अच्छे टेस्ट बल्लेबाज बन सकते हैं पर उन्हें अवसर नहीं मिल रहा। श्रीकांत के अनुसार एक अच्छे टेस्ट बल्लेबाज बनने के लिए जिस प्रकार का कौशल चाहिये वह इस बल्लेबाज में है पर फिर भी उसे अवसर नहीं मिल रहा। साथ ही कहा कि ये निराशाजनक बात है कि एक काबिल खिलाड़ी टीम में जगह हासिल नहीं कर पा रहा। ये एक प्रकार से उसकी प्रतिभा के साथ अन्याय है।

गौरतलब है कि करीब दो साल तक राष्ट्रीय टीम से बाहर रहने के बाद, किशन हाल ही में टी20 विश्वकप से टीम में वापसी करने में सफल रहे हैं। अफगानिस्तान के खिलाफ 50-ओवर के प्रारूप में भी उन्होंने एक अच्छा शतक लगाया है। श्रीकांत के अनुसार उन्हें ईशान को खेलेने का अंदाज अच्छा लगता है। इसी को देखते हुए इस पूर्व कप्तान का मानना है कि कि साल 2023 में कुछ टेस्ट मैच खेल चुके किशन टेस्ट में अवसर मिलने पर भी प्रभावित ही करेंगे। उन्होंने इस बल्लेबाज के खेल की सराहना करते हुए कहा, मैं ईशान किशन का बहुत बड़ा प्रशंसक हूँ। उन्होंने अचानक वापसी की है और बहुत बढ़िया खेल रहे हैं। मुझे उनका खेल पसंद है। उनके स्ट्राइक खेलने का तरीका, टाइमिंग, पावर और आसानी से खेलने की क्षमता सब लाजवाब है। वह सभी प्रारूपों में



महिला क्रिकेट टीम के प्रति भेदभाव का रवैया अब तक नहीं बदला : सना मीर

लाहौर। पाकिस्तान की महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान मीर ने कहा है कि खराब प्रदर्शन के बाद जिस प्रकार से महिला क्रिकेटर्स को निशाना बनाया जाता है, उससे साफ है कि अभी भी उनके खिलाफ भेदभाव बरता जा रहा है। सना के अनुसार क्रिकेट के प्रति दीवानगी के बाद भी प्रशंसकों और आलोचकों द्वारा पुरुष और महिला टीम को लेकर दोहरा रवैया अपनाया जा रहा है। टी20 विश्वकप में पाक के खराब प्रदर्शन से भी प्रशंसक भड़के थे। पाक टीम ने विश्व कप में लगातार चार हार के बाद नीदरलैंड्स पर एकमात्र जीत की है। इस निराशाजनक प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया देते हुए, सना ने सवाल किया कि जब पुरुष टीम खराब प्रदर्शन करती है, तो क्या कोई उनसे घर पर ही रहकर काम करने को कहता है। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि दोहरा रवैया नहीं चलेगा। खासकर जब पुरुष और महिला टीमों के प्रदर्शन पर चर्चा की जाती है। उन्होंने कहा, मैं आलोचना के इस लहजे से सहमत नहीं हूँ। हां, टीम उम्मीदों पर खरी नहीं उतरती पर केवल इसलिए कि यह महिला टीम है तो उससे भेदभाव क्यों किया जाये उन्होंने दुख जताया कि इतने सालों बाद भी महिला टीम को वह सम्मान नहीं मिल रहा है, जिसकी वे अधिकारी हैं। उन्होंने ने प्रशंसकों और आलोचकों से कहा कि पेशेवर क्रिकेट अपनाने वाली लड़कियों को जिन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, उन पर भी ध्यान देने को कहा है। उन्होंने कहा कि लड़कियों की क्षमता साबित करने में कई साल लग गए, और यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि उनके प्रदर्शन को अभी भी उनके लिंग के आधार पर आंका जा रहा है, कि क्रिकेट कोशाल के आधार पर। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सबसे पहले महिला क्रिकेट के प्रति सामाजिक सोच बदलने की जरूरत है।

एलियट को मैनचेस्टर सिटी ने रिकार्ड कीमत पर अपने साथ जोड़ा



लंदन। ब्रिटेन में मिडफिल्डर एलियट एंडरसन प्रीमियर लीग में सबसे महंगे फुटबालर बने हैं। मैनचेस्टर सिटी ने नाटिचम फारेस्ट के एलियट को 116 मिलियन पाउंड की रिकार्ड कीमत में खरीदा है। ये किसी भी ब्रिटिश खिलाड़ी को मिलनी वाली सबसे महंगी ट्रांसफर फीस है। 23 वर्षीय एलियट ने इसी के साथ ही वेस्ट हैम यूनाइटेड से आर्सेनल में 105 मिलियन पाउंड में शामिल हुए फुटबालर डेवेलन राइस का रिकार्ड तोड़ दिया है। इससे साफ है कि प्रीमियर लीग में स्टार खिलाड़ियों को मोटी रकम देने में वलब पीछे नहीं है। विशेष रूप से स्टार खिलाड़ियों को। दोनों क्लबों के बीच अंतिम सहमति बन चुकी है और एलियट ने भी नाटिचम फारेस्ट को वलब छोड़ने की सहमति दे दी है। अब मैडिकल जांच के बाद इस रिकार्ड सौदे की आधिकारिक घोषणा होगी। यह भी कहा जा रहा है कि मैनचेस्टर सिटी ने शुरुआत में एंडरसन के लिए 80 मिलियन पाउंड का प्रस्ताव दिया था पर नाटिचम फारेस्ट ने उसे अस्वीकार कर दिया था। वहीं पिछले प्रीमियर लीग सत्र में एलियट एंडरसन ने नाटिचम फारेस्ट के लिए असाधारण प्रदर्शन करते हुए अपनी पहचान बनाई। उन्होंने सभी 38 लीग मुकाबले खेले और केवल एक बार ही शुरुआती एकादश से बाहर रहे।

आमिर जंगू के दोहरे शतक और रोच के 300 टेस्ट विकेट से वेस्टइंडीज ने श्रीलंका को पारी और 217 रन से रौंदा

एंटोपा। वेस्टइंडीज ने पहले टेस्ट मैच में श्रीलंका को पारी और 217 रन के विशाल अंतर से हराकर दो मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बना ली। मैच के चौथे दिन रविवार को वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए श्रीलंका की दूसरी पारी केवल 101 रन पर सपट की।

इससे पहले श्रीलंका ने पहली पारी में 308 रन बनाए थे। कप्तान धनंजय डी सिल्वा ने शानदार 120 रन की शतकीय पारी खेली, जबकि दिनेश चांडीमल ने 54 रन और नुवांडी फर्नांडो ने 84 रन का योगदान दिया। वेस्टइंडीज की ओर से जस्टिन ग्रीन्स ने तीन विकेट लिए।

जवाब में वेस्टइंडीज ने बल्लेबाजी का शानदार प्रदर्शन करते हुए 626/9 पर पारी घोषित की। विकेटकीपर बल्लेबाज आमिर जंगू ने करियर का पहला दोहरा शतक लगाते हुए 233 रन बनाए, जबकि कप्तान रोस्टन चेज ने 194 रन की शानदार पारी खेली। दोनों बल्लेबाजों की



बड़ी पारियों की बढौलत मेजबान टीम ने 318 रन की बढ़त हासिल की। चौथे दिन श्रीलंका ने 15/1 से आगे खेलना शुरू किया, लेकिन उसकी शुरुआत बेहद खराब रही। दिन के पहले ही ओवर में केमार रोच ने निशान मनुशका को एलबीडब्ल्यू आउट किया, जबकि तीन गेंद बाद जेडन सील्स ने नाइटवाचमैन कासुन राजिथा को रिल्लप में कैच कराकर पवेलियन भेज दिया।

कमिंदु मॅडिस और दिनेश चांडीमल ने पारी संभालने की कोशिश की, लेकिन कमिंदु मॅडिस शमर जोसेफ की गेंद पर बोल्ल हो गए। इसके बाद पहली पारी में शतक लगाने वाले कप्तान धनंजय डी सिल्वा भी एलबीडब्ल्यू आउट होकर लौट गए। श्रीलंका ने जल्द ही आधी टीम गंवा दी। केमार रोच ने कुसल मॅडिस को भी बोल्ल कर श्रीलंका की मुश्किलें बढ़ा दीं। बारिश के कारण कुछ देर खेल रुका, लेकिन खेल शुरू होते ही वेस्टइंडीज के गेंदबाजों ने दबाव बनाए रखा।

दोपहर के भोजन के बाद रोच ने लगातार गेंदों पर दिनेश चांडीमल और मिलान रत्नायके के विकेट लेकर मैच पूरी तरह अपने नाम कर लिया। इसके बाद असिता फर्नांडो को बोल्ल कर रोच ने टेस्ट क्रिकेट में अपने 300 विकेट पूरे किए। वह इस उपलब्धि तक पहुंचने वाले वेस्टइंडीज के केवल पांचवें गेंदबाज बने। अंतिम विकेट जेडन सील्स ने लेकर श्रीलंका की पारी समाप्त की और वेस्टइंडीज को कप्तान रोस्टन चेज की अगुवाई में पहली टेस्ट जीत दिलाई। दोनों टीमों के बीच दूसरा और अंतिम टेस्ट इसी मैदान पर शुक्रवार से खेला जाएगा।

संक्षिप्त स्कोर:
श्रीलंका: 308 और 101 (दिनेश चांडीमल 43; केमार रोच 4/51)
वेस्टइंडीज: 626/9 घोषित (आमिर जंगू 233, रोस्टन चेज 194)
परिणाम: वेस्टइंडीज ने श्रीलंका को पारी और 217 रन से हराया।

यूएस ओपन बैडमिंटन के फाइनल में हारे किदांबी श्रीकांत



फुल्टन

भारत के अनुभवी शटलर किदांबी श्रीकांत का यूएस ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट जीतने का सपना अधूरा रह गया। पुरुष एकल फाइनल में रविवार को उन्हें चीनी ताइपे के सू ली-यांग के खिलाफ तीन गेम तक चले मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा।

विश्व चैंपियनशिप 2021 के रजत पदक विजेता और पूर्व विश्व नंबर-1 श्रीकांत ने पहला गेम गंवाने के बाद शानदार वापसी करते हुए दूसरा गेम अपने नाम किया, लेकिन निर्णायक गेम में वह युवा प्रतिद्वंद्वी की तेज रफतार और आक्रामक खेल का जवाब नहीं दे सके। लगभग एक घंटे तक चले मुकाबले में श्रीकांत 15-21, 21-16, 9-21 से पराजित हुए। 33 वर्षीय श्रीकांत इस सत्र का

अपना पहला फाइनल खेल रहे थे। मुकाबले की शुरुआत उन्होंने अच्छी की, लेकिन कुछ अनावश्यक गलतियों का फायदा उठाकर सू ली-यांग ने पहला गेम जीत लिया। दूसरे गेम में श्रीकांत ने शानदार नेट प्ले और दमदार स्मैश का प्रदर्शन किया। उन्होंने लगातार बढ़त बनाए रखी और 21-16 से गेम जीतकर मुकाबला बराबरी पर ला दिया।

हालांकि निर्णायक तीसरे गेम में सू ली-यांग ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और लगातार बढ़त बनाते हुए श्रीकांत पर दबाव बनाए रखा। ब्रेक तक उन्होंने चार अंकों की बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद श्रीकांत वापसी नहीं कर सके और सू ली-यांग ने मैच जीतकर अपने करियर का पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब जीत लिया। इस हार के बावजूद श्रीकांत का प्रदर्शन पूरे टूर्नामेंट में शानदार रहा। उन्होंने सभी फाइनल में जापान के युदाई ओकिमोटो को हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। पिछले वर्ष भी वह मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 और सैयद मोदी इंटरनेशनल सुपर 300 में उपविजेता रहे थे।

झारखंड की तीन बेटियां भारतीय जूनियर महिला हाकी टीम में चयनित, इंग्लैंड-स्काटलैंड दौरे पर करेंगी देश का प्रतिनिधित्व

रांची

झारखंड की महिला हाकी ने एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। राजधानी रांची स्थित सोएम् स्कूल आफ एक्सीलेंस, बरियातु हाकी सेंटर की तीन होनहार खिलाड़ी बिनीमा धान, पार्वती टोप्पो और रोशनी आइंद का चयन भारतीय जूनियर महिला हाकी टीम में हुआ है। तीनों खिलाड़ी 5 से 14 जुलाई तक होने वाले इंग्लैंड और स्काटलैंड दौरे पर भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करेंगी।

भारतीय जूनियर महिला हाकी टीम इस दौरे के दौरान कुल सात अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेलेगी। यूरोप को मजबूत टीमों के खिलाफ खेलने का यह अवसर खिलाड़ियों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर का अनुभव हासिल करने और अपने खेल को और निखारने का महत्वपूर्ण मंच माना जा रहा है।

बरियातु हाकी सेंटर लंबे समय से झारखंड में महिला हाकी प्रतिभाओं को तैयार करने का प्रमुख केंद्र रहा है। यहां से प्रशिक्षण प्राप्त कर कई खिलाड़ी पहले भी भारतीय टीम तक अपनी जगह बना चुकी हैं। एक साथ तीन खिलाड़ियों का राष्ट्रीय टीम में चयन सेंटर की उत्कृष्ट प्रशिक्षण व्यवस्था, प्रशिक्षकों की मेहनत और खिलाड़ियों के समर्पण का परिणाम माना जा रहा है।

हाकी झारखंड के महासचिव विजय शंकर



सिंह ने तीनों खिलाड़ियों को बधाई देते हुए इसे पूरे राज्य के लिए गौरव का क्षण बताया। उन्होंने कहा कि बरियातु हाकी सेंटर लगातार भारतीय टीम को प्रतिभाशाली खिलाड़ी दे रहा है, जो झारखंड में जमीनी स्तर पर खेल प्रतिभाओं के प्रभावी विकास का प्रमाण है। उन्होंने विश्वास जताया कि बिनीमा

धान, पार्वती टोप्पो और रोशनी आइंद अपने शानदार प्रदर्शन से न केवल झारखंड, बल्कि पूरे देश का नाम भी अंतरराष्ट्रीय मंच पर रोशन करेंगी। उनके चयन से राज्य के युवा खिलाड़ियों को भी प्रेरणा मिलेगी और झारखंड में महिला हाकी को नई ऊर्जा प्राप्त होगी।